समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

मेडे नहीं, "पैन-पैन" क्यों चिल्लाया इंडिगो फ्लाइट का पायलट ? जानिए कैसे बची सैकड़ों यात्रियों की जान

Publisher

Published on 17 Jul 2025

दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो फ्लाइट को बुधवार को **मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेसी लैडिंग** करानी पड़ी। इंजन नंबर-1 में **तकनीकी खराबी** के चलते यह कदम उठाना पड़ा। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचा पायलट द्वारा बार-बार "**पैन-पैन-पैन**" चिल्लाने का तरीका। आमतौर पर हम "**मेडे-मेडे**" सिग्नल सुनते हैं, लेकिन इस बार ऐसा क्यों हुआ ? आइए जानते हैं।

PAN-PAN Signal क्या है ? क्यों दिया जाता है ?

"**PAN-PAN**" एक **अंतरराष्ट्रीय एविएशन इमरजेसी कॉल** है, जो बताता है कि फ्लाइट में **तकनीकी खराबी या खतरा** है, लेकिन **फिलहाल जान का खतरा नहीं** है।

- "PAN" शब्द फ्रांसीसी वाक्य "**Panne**" से लिया गया है, जिसका अर्थ है "**ब्रेकडाउन**" **या** "**तकनीकी गड़बड़ी**"।
- इस सिग्नल को **एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC)** को चेतावनी देने के लिए उपयोग किया जाता है कि फ्लाइट को **प्राथमिकता दी जाए**, लेकिन **सीवियर डेजंर** नहीं है।
- इसका मतलब है – "हमें तुरंत मदद चाहिए, पर यह जानलेवा नहीं है।"
- इस केस में, **एक इंजन फेल हुआ था**, दूसरा काम कर रहा था – इसलिए "PAN-PAN" कॉल किया गया, ना कि "मेडे"।

"मेडे-मेडे" कब बोला जाता है ?

जब स्थिति **जानलेवा** हो — जैसे:

- सभी इंजन फेल हो जाएं

- कैबिन में आग लग जाए
- बम की सूचना
- रनवे पर कंट्रोल लॉस
- गंभीर स्वास्थ्य संकट

“**मेडे**” शब्द फ्रेंच के “**M’aider**” (मदद करो) से आया है। जब पायलट यह सिग्नल देता है, तो पूरी हवाई यातायात प्रणाली अलर्ट पर आ जाती है।

पायलट की सूझबूझ ने बचाई जान

इंडिगो पायलट ने **सटीक तकनीकी फैसले** के जरिए “PAN-PAN” कॉल जारी किया, जिससे:

- एटीसी ने तुरंत विमान को प्राथमिकता दी
- अन्य फ्लाइट्स को रोका गया
- **मुंबई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैडिंग** कराई गई
- सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

यह निर्णय दिखाता है कि **सही सिग्नल और तेज निर्णय** कितने ज़रूरी होते हैं।

लगातार सामने आ रही फ्लाइट खामियां

हाल के दिनों में:

- पटना में रनवे की कम जगह के कारण फ्लाइट ने दोबारा उड़ान भरी
- अहमदाबाद में रनवे हादसा
- गोवा फ्लाइट का इंजन फेल

इन घटनाओं से यात्रियों की चिंता बढ़ी है, साथ ही एविएशन सेफ्टी पर बहस भी तेज हो गई है।

⍰ निष्कर्ष:

PAN-PAN और मेडे दोनों ही पायलट द्वारा दिए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय सिग्नल हैं, लेकिन **स्थिति की गंभीरता के आधार पर अलग-अलग इस्तेमाल होते है।** इंडिगो फ्लाइट के मामले में **पायलट की समझदारी और सही कम्युनिकेशन** ने सैकड़ों जानें बचाईं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.